देश Rangila

॥ श्री नर्मदा अष्टकम ॥

॥ श्री नर्मदा अष्टकम ॥

सबिन्दुसिन्धुसुस्खलत्तरङ्गभङ्गरञ्जितं
द्विषत्सु पापजातजातकारिवारिसंयुतम् ।
कृतान्तदूतकालभूतभीतिहारिवर्मदे
त्वदीयपादपङ्कजं नमामि देवि नर्मदे ॥1॥

त्वदम्बुलीनदीनमीनदिव्यसम्प्रदायकं
कलौ मलौघभारहारि सर्वतीर्थनायकम् ।
सुमच्छकच्छनक्रचक्रचक्रवाकशर्मदे
त्वदीयपादपङ्कजं नमामि देवि नर्मदे ॥2॥

महागभीरनीरपूरपापधूतभूतलं
ध्वनत्समस्तपातकारिदारितापदाचलम् ।
जगल्लये महाभये मृकण्डसूनुहर्म्यदे
त्वदीयपादपङ्कजं नमामि देवि नर्मदे ॥3॥

गतं तदैव मे भवं त्वदम्बुवीक्षितं यदा
मृकण्डसूनुशौनकासुरारिसेवि सर्वदा ।
पुनर्भवाब्धिजन्मजं भवाब्धिदुःखवर्मदे
त्वदीयपादपङ्कजं नमामि देवि नर्मदे ॥4॥

वेबसाइट पोस्ट यहाँ पढ़ें

देशRangila

॥ श्री नर्मदा अष्टकम ॥

अलक्षलक्षकिन्नरामरासुरादिपूजितं
सुलक्षनीरतीरधीरपक्षिलक्षकूजितम् ।
वसिष्ठसिष्टपिप्पलादिकर्दमादिशर्मदे
त्वदीयपादपङ्कजं नमामि देवि नर्मदे ॥5॥

सनत्कुमारनाचिकेतकश्यपादिषट्पदैः
धृतं स्वकीयमानसेषु नारदादिषट्पदैः ।
रवीन्दुरन्तिदेवदेवराजकर्मशर्मदे
त्वदीयपादपङ्कजं नमामि देवि नर्मदे ॥6॥

अलक्षलक्षलक्षपापलक्षसारसायुधं
ततस्तु जीवजन्तुतन्तुभुक्तिमुक्तिदायकम् ।
विरञ्चिविष्णुशङ्करस्वकीयधामवर्मदे
त्वदीयपादपङ्कजं नमामि देवि नर्मदे ॥7॥

अहोऽमृतं स्वनं श्रुतं महेशकेशजातटे
किरातसूतवाडवेषु पण्डिते शठे नटे ।
दुरन्तपापतापहारिसर्वजन्तुशर्मदे
त्वदीयपादपङ्कजं नमामि देवि नर्मदे ॥8॥

इदं तु नर्मदाष्टकं त्रिकालमेव ये सदा
पठन्ति ते निरन्तरं न यान्ति दुर्गतिं कदा ।
सुलभ्य देहदुर्लभं महेशधामगौरवं
पुनर्भवा नरा न वै विलोकयन्ति रैरवम् ॥9॥

वेबसाइट पोस्ट यहाँ पढ़ें

देशRangila

माँ नर्मदा से सम्बंधित कुछ रोचक प्रश्नोत्तर

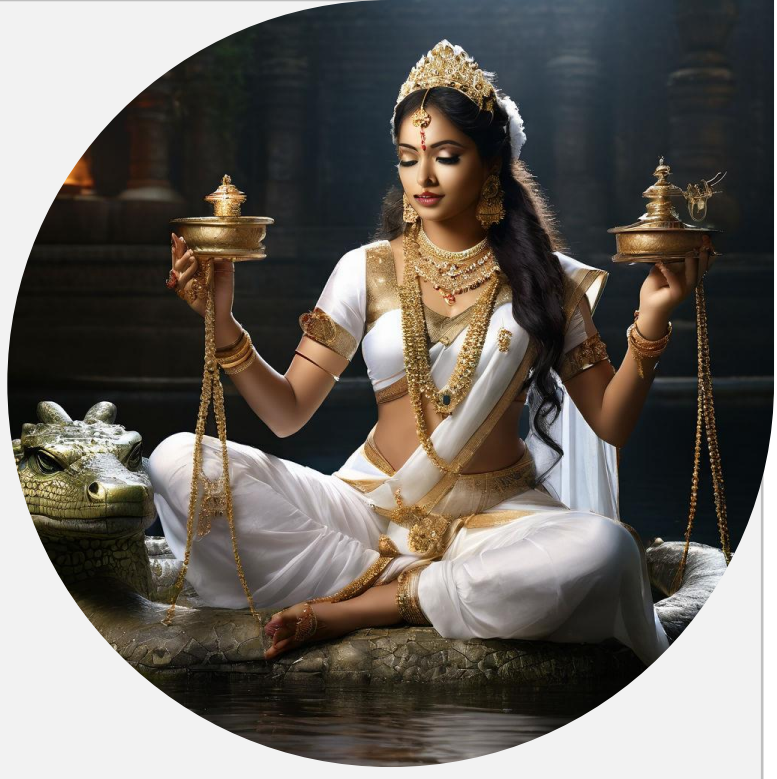

प्रश्न: 'नमामि देवी नर्मदे' के रूप में नर्मदाष्टक क्यों विख्यात है ?

उत्तर: 'नमामि देवी नर्मदे' का अर्थ है : '***हे माँ नर्मदा आप तो सभी की माँ है व पूजनीय देवी समान हैं। इस कारन मैं आपको प्रणाम करता हूँ।***"

प्रश्न: नर्मदा नदी के पिता कौन माने जाते है ?

उत्तर: मैखल पर्वत को ही नर्मदा नदी के पिता के रूप में देखा जाता है। क्योकि अमरकंटक से ही माँ नर्मदा निकलती है।

प्रश्न: नर्मदा जी के पत्थरों को शिवलिंग क्यों कहते है?

उत्तर: नर्मदा जी को यह वरदान प्रभु भगवान शिव ने ही दिया था की उसके तट पर या नदी में जो भी पत्थर नर्मदा जी के जल को छू लेंगे वह सिर्फ पाषाण नहीं रह जायेगे बल्कि शिवलिंग का महत्व प्राप्त कर लेंगे।

प्रश्न: क्या यह सच है की नर्मदा जी उल्टी बहती है?

उत्तर: जी हां यह सच है क्योकि सिर्फ नर्मदा जी ही एक नदी है जो पूर्व से पश्चिम की दिशा में बहती है। भारत में सभी नदियाँ पूर्व की ओर बहती है (पश्चिम से चलते हुए) । यह परिवर्तन रिफ्ट वैली नामक एक भौगोलिक घटना के चलते होता है।

वेबसाइट पोस्ट यहाँ पढ़ें